

कुछ भी नहीं

## क्या आप चिकत हैं?

नरक में जाने के लिए हमें कुछ नहीं करना है क्योंकि हम वह काम पहले ही कर चुके हैं। परमेश्वर के सामने हम सब पापी और अपराधी हैं। हम दण्ड के योग्य हैं। (यहेज केल १८:४)

आजकल लोग परमेश्वर से नहीं उरते हैं क्योंकि यह नहीं जानते कि नरक कितना भयंकर है। वहां रोना और दांत पीसना होगा। (मत्ती १३:४९,५०) उसकी पीड़ा का धुआं युगानुयुग उठता रहेगा (प्रकाशितवाक्य १४:१०,११) यह मत सोचिए कि लोगों को नरक में भेजनेवाला परमेश्वर कठोर है। वह नहीं चाहता है कि कोई नरक में जाए। परमेश्वर की पवित्रता और धार्मिकता के अनुसार पाप को दण्ड मिलना ही चाहिए।

आप को वहां जाने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यीशु मसीह ने आपके पापों के कारण दुख उठाया दण्ड पाया और क्रूस पर अपना प्राण दे दिया। (१ पतरस ३:१८: रोमियों ५:८)

अब यीशु मसीह आप के पापों के लिए अपना प्राण दिया यदि आप परमेश्वर पर विश्वास रखते हुए यीशु की आवश्यकता महसूस करते हैं तो अभी इसी समय यीशु को अपना निजी मुक्तिदाता समझकर स्वीकार कीजिए। अगर आप ऐसा करेंगे तो नरक में नहीं जाएंगे (यूहन्ना १:१२:५:२४)

इस परछे को पढ़ने के बाद अगर आप यीशु मसीह को अपना मुक्तिदाता मानकर स्वीकार करते हैं तो इस परछे को हमें वापिस भेजिये।

	<del></del>
शहर	
पताः	
नामः	



## FELLOWSHIP TRACT LEAGUE